गोवा विश्वविद्यालय

शणै गोंयबाब भाषा और साहित्य महाशाला

हिंदी अध्ययन शाखा

कार्यक्रम: स्नातकोत्तर हिंदी

पाठ्यक्रम: HIN-605

पाठ्यक्रम का शीर्षक: हिंदी गद्य : विविध विमर्श

श्रेयांक: 04 (60)

शैक्षणिक वर्ष से लागू: 2022-23

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	हिंदी गद्य साहित्य में निहित विविध विमर्शों की सामान्य जानकारी अपेक्षित है।	**घंटे**
उद्देश्य	• हिंदी गद्य साहित्य के विविध विमर्शों से परिचित कराना। • विविध विमर्शों की अवधारणा एवं उसके स्वरूप से अवगत कराना। • विमर्श के अंतर्गत आए विविध आंदोलन, उसकी पृष्ठभूमि, विचारधारा और सैद्धांतिकी का अध्ययन कराना। • विविध विमर्श के प्रमुख रचनाकार तथा उनकी रचनाओं से परिचय कराना।	
पाठ्य विषय	1. विमर्श : अवधारणा, स्वरूप एवं महत्त्व	**05**
	2. दलित विमर्श : अवधारणा एवं स्वरूप • विविध दलित आंदोलन और साहित्य • निर्धारित रचना ओमप्रकाश वाल्मीकि - 'सलाम'	**15**
	3. स्त्री विमर्श : अवधारणा एवं स्वरूप • स्त्री आंदोलन : भारतीय एवं पाश्चात्य संदर्भ • निर्धारित रचना मीरा कांत - नेपथ्य राग	**20**

	4. आदिवासी विमर्श : अवधारणा एवं स्वरूप • विस्थापन और उनका संघर्ष • निर्धारित रचना महुआ माजी - मरंग गोड़ा नीलकंठ हुआ	**10**
	5. किन्नर विमर्श : अवधारणा एवं स्वरूप • निर्धारित रचना लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी - मैं हिजड़ा मैं लक्ष्मी	**10**
अध्यापन विधि	व्याख्यान,वाद-विवाद, संगोष्ठी, प्रस्तुतीकरण, स्वाध्याय,साक्षात्कार	
सहायक ग्रंथ सूची **संदर्भ ग्रंथ सूची**	1) कांत, मीरा. नेपथ्य राग. भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली, 2004. 2) त्रिपाठी, लक्ष्मीनारायण. मैं हिजड़ा मैं लक्ष्मी. वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2015. 3) माजी, महुआ. मरंग गोड़ा नीलकंठ हुआ. राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2012. 4) वाल्मीकि, ओमप्रकाश. सलाम. राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 2000. 1) उपाध्याय, रमेश (सं॰). आज का स्त्री आंदोलन. शब्द संधान, दिल्ली, 2004. 2) गुप्ता, रमणिका. आदिवासी स्वर और नई शताब्दी. वाणी प्रकाशन, 2002. 3) चव्हाण, डॉ॰ अर्जुन. विमर्श के विविध आयाम. वाणी प्रकाशन, 2008. 4) टेटे, वंदना. आदिवासी दर्शन और साहित्य. विकल्प प्रकाशन, 2016. 5) टेटे, वंदना. आदिवासी साहित्य परंपरा और प्रयोजन. नोशन प्रेस, 2021. 6) तलवार, वीर भारत. झारखंड के आदिवासियों के बीच. भारतीय ज्ञानपीठ, 2019. 7) तिवारी, डॉ॰ पूजा. उत्तरशती के साहित्यिक विमर्श. नोशन प्रेस, 2020. 8) पांडेय, मैनेजर. साहित्य और दलित दृष्टि.	.

	9) पालीवाल, कृष्णदत्त. दलित साहित्य विमर्श. सस्ता साहित्य मंडल प्रकाशन, 2018. 10) पुन्नीसिंह. भारतीय दलित साहित्य : परिप्रेक्ष्य, वाणी प्रकाशन, 2003. 11) मालती के॰ एस॰. स्त्री विमर्श : भारतीय परिप्रेक्ष्य. 12) मीणा, हरिराम. आदिवासी दर्शन और समाज. राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, 2020. 13) लिंबाले, डॉ॰ शरणकुमार. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र. वाणी प्रकाशन, 2000. 14) विप्लवी, बी॰ आर॰. दलित दर्शन की वैचारिकी. वाणी प्रकाशन. 15) व्होरा, डॉ॰ आशारानी. भारतीय नारी दशा और दिशा. नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 2004. 16) शर्मा, नासिरा. औरत के लिए औरत. 17) शर्मा, श्रीमती मंजू. नारी के प्रति अत्याचार एवं मानवाधिकार. मार्क पब्लिशर्स, जयपुर, 2009. 18) सिंह पी॰ एन॰. हिंदी दलित साहित्य. लोकभारती प्रकाशन, 2019. 19) सिंह, शरद. थर्ड जेंडर विमर्श. सामसिक प्रकाशन, 2019.	
अधिगम परिणाम	• विद्यार्थी हिंदी गद्य के विविध विमर्श के परिचित होंगे। • विद्यार्थी विविध विमर्श से जुड़े समस्याओं का आकलन करेंगे। • विद्यार्थी विविध विमर्शों के आंदोलन, पृष्ठभूमि, विचारधारा से परिचित होंगे। • विद्यार्थी विमर्शों से जुड़े रचनाकार तथा रचनाओं को समझेंगे।	